тапमान

अधिकतम 31.0 डिग्री

न्यूनतम 24.0 डिग्री

हरिभूमि वनांचल भूमि

रायपुर, गुरुवार 3 अप्रैल 2025

12 बंजारा महाकुंभः सांस्कृतिक और सामाजिक एकता का ...

13 अपनी संस्कृति को संवारने सहेजने का ऐतिहासिक...

नवरात्रि विशेष

षष्ठमः कात्यायनी

मां भगवती का छठा रूप कात्यायनी का है। छठे नवरात्रि को मां की इसी स्वरूप की पूजा होती है। ऐसा विश्वास है कि कात्यायनी के गोत्र में महर्षि कात्यायन हुए थे। उनकी इच्छा थी कि मां भगवती उनके घर पुत्री रूप में जन्म लें। उन्हेंने कठोर तप किया। भगवती ने उनकी प्रार्थना स्वीकार कर उनके घर पुत्री रूप में जन्म लिया। इसलिए उनका नाम कात्यायनी पड़ा। यह भी माना जाता है। कि जब पृथ्वी पर महिषासुर के अत्याचार बहुत बढ़ गए, तब भगवान ब्रह्मा, विष्णु और महेश तीनों ने अपने - अपने तेज का अंश देकर महिषासुर के विनाश के लिए एक देवी को उत्पन्न किया। महर्षि कात्यायन ने सबसे पहले इनकी पूजा की। इस कारण से भी यह कात्यायनी कहलाई। ऐसी भी कथा है कि भगवती महर्षि कात्यायन के घर पुत्री रूप में जन्मी थी। आश्विन कृष्ण चतुर्दशी को जन्म लेकर शुक्ल सप्तमी, अष्टमी और नवमी तक तीन दिन इन्होंने कात्यायन की पूजा ग्रहण कर दशमी को महिषसुर का वध किया था। ऐसी भी कथा है कि कृष्ण को पति रूप में पाने के लिए गोपियों ने कालिंदी-यमुना के तट पर कात्यायनी मां पूजा की थी। यह ब्रजमंडल की अधिष्ठात्री देवी के रूप में प्रतिष्ठित है। कात्यायनी प्रकृति की क्रियात्मक शक्ति है जो मन का तत्वात्मक रूप से संचालन करती है। इनकी आठ भुजाएं हैं। इनका वर्ण स्वर्ण समान है। इनकी पूजा से भक्त इनके पास रहकर परमपद प्राप्त करता है।भगवती कात्यायनी की आराधना का श्लोक है- चंद्रहासोज्ज्वलकरा शार्दूलवरवाहना।

अभियान : संस्कृति के रास्ते विकास की ओर चलेगा बस्तर

दंतेवाड़ा में अब नक्सलवाद नहीं राम की होगी गूंज, कवि विश्वास सुनाएंगे आज रामकथा

अविनाश गोस्वामी ▸▸| दंतेवाड़ा

नक्सलवाद के नाम से देश-दुनिया में विख्यात दंतेवाड़ा का नाम अब बस्तर पंडुम को लेकर सुर्खियों में है। आदिवासी संस्कृति और परंपराओं को सहेजने का बड़ा काम दंतेवाड़ा में शुरू हो गया है। कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी ने काम शुरू किया, योजना बनाई और मुख्यमंत्री तक पहुंचाया। प्रदेश के मुखिया चूंकि खुद आदिवासी हैं। उन्होंने कार्यक्रम का नाम सुनते ही हामी भर दी और कहा कि इसे बस्तर तक ही सीमित नहीं करना है, बल्कि देश में इसकी चर्चा हो। बस्तर की कला-संस्कृति को देखभर में ख्याति मिले ऐसा काम हमें करना है।

- छत्तीसगढ़ के साथ पूरे देश में हो रही बस्तर पंडुम की चर्चा

मुख्यमंत्री के निर्देश पर कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी ने कार्यक्रम की ऐसा खाका तैयार किया कि छत्तीसगढ़ सहित दूसरे राज्यों में इसकी जमकर चर्चा हो रही है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह कार्यक्रम में शामिल होने दंतेवाड़ा आ रहे हैं। बस्तर क्षेत्र की कला, संस्कृति और परंपराओं के उत्सव 'बस्तर पंडुम' में डॉ. कुमार विश्वास बस्तर में राम कथा सुनाएंगे। 3 अप्रैल को होने वाला यह आयोजन, बस्तर क्षेत्र में शांति और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का नया सोपान तय करेगा। बता दें कि दंडकारण्य क्षेत्र का रामायणकाल में विशेष स्थान रहा है। श्री राम ने अपने वनवासकाल का कुछ समय दंडकारण्य के जंगलों में गुजारा था। इस आयोजन से राम का स्मरण कर बस्तरवासी अपनी समृद्ध पौराणिक विरासत का अनुभव कर सकेंगे।

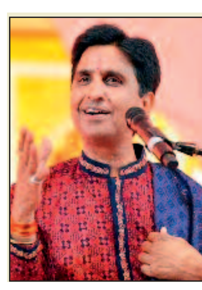

बस्तर की कला और संस्कृति की झलक

बस्तर पंडुम में लोक नृत्य जैसे गेड़ी नृत्य, गौर नृत्य, ककसार, मादरी, दडामी, एबालतोर, दोरला, हुलकी पाटा, परब नाच, घोटुल पाटा, कोलांग पाटा, डंडारी नृत्यों के मध्य प्रतिस्पर्धा होगी। वहीं जनजातियों के लोक गीत यथा लिंगों पेन, रिलो गीत, कोटनी, जगार, मरम पाटा की प्रस्तुति होगी। बस्तर उत्सव के तहत जनजाति लोकनाट्य माओपाटा, भतरा नाट्य, प्रमुख जनजाति वाद्ययंत्र के तहत धनकुल, ढोल, चिटकुल, तोड़ी, अकूम, बावांसी, तिरडुडी, झाब, मांदर, मृंदग, बिरिया ढोल, सारंगी, गुदुग, मोहरी, सुलुड, मुंडा बाजा, चिकारा की भी प्रस्तुति दी जाएगी।

सल्फी और ताड़ी को भी जानेंगे लोग

बस्तर पंडुम में स्थानीय खान-पान पर भी स्पर्धाएं होंगी। चूंकि बस्तर की संस्कृति में पारंपरिक महुआ और शराब का बड़ा महत्व होता है। जन्म, मरण, विवाह जैसे सामाजिक अनुष्ठानों में महुआ और शराब की उपयोग होता है। देवी-देवताओं के अलावा सामाजिक कामों में सल्फी, ताड़ी, छिन्द रस, हाडिया, पेज, कोसमा का उपयोग करते हैं। बस्तर पंडुम में आने वाले लोगों को इसकी जानकारी मिलेगी। स्थानीय व्यजंनों पर आधारित स्पर्धाएं भी रखी गई है।

गृहमंत्री शर्मा बीजापुर और सुकमा कैम्प में जवानों से होंगे रूबरू आज

उपमुख्यमंत्री व गृहमंत्री विजय शर्मा गुरुवार से दो दिवसीय दक्षिण बस्तर प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान वह नक्सल प्रभावित सुरक्षा कैम्पों में जवानों से रूबरू होंगे और बस्तर पडुंम के उद्घाटन व समापन कार्यक्रम में शामिल होगें। जानकारी के मुताबिक उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा गुरुवार सुबह 8 बजे स्टेट प्लेन से रायपुर से रवाना होकर 8.45 बजे जगदलपुर स्थित मां दंतेश्वरी एयरपोर्ट पहुंचेंगे। यहां 15 मिनट रूकने के बाद हेलीकाप्टर से सुकमा व बीजापुर कैम्प के लिए रवाना हो जाएंगे। दोपहर 12 बजे तक कैम्प में जवानों से रूबरू होने के बाद 12.30 बजे दंतेवाड़ा स्थित कारली पुलिस लाइन हेलीपेड पहुंचेंगे। दस मिनट बाद बस्तर पंडुम के उदघाटन कार्यक्रम में शामिल होकर रात्रि विश्राम दंतेवाड़ा में करेंगे। इसके उपरांत शुक्रवार को बस्तर पंडुम के समापन कार्यक्रम में आ रहे केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के साथ मौजूद रहेंगे।

बस्तर पंडुम से नई पहचान मिलेगी

सीएम विष्णुदेव साय ने "बस्तर पंडुम" को बस्तर की आत्मा से जुड़ा सांस्कृतिक पुनर्जागरण बताते हुए कहा कि यह केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि बस्तर की अस्मिता, आस्था और आकांक्षाओं का उत्सव है। 'बस्तर के राम' जैसे कार्यक्रम बस्तर की धरती को आध्यात्मिकता से जोड़ते हैं और यह सिद्ध करते हैं कि विकास का सबसे ▸▸| शेष पेज 12 पर

गंगालूर एरिया में नक्सलियों से मुठभेड़ में दो जवान घायल

फाइल फोटो

हरिभूमि न्यूज ▸▸| बीजापुर

बीजापुर जिले के गंगालूर थाना क्षेत्र में एंटी नक्सल ऑपरेशन के लिए एसटीएफ व बस्तर फाइटर की सयुंक्त टीम इलाके में सर्चिंग अभियान पर निकली थी। इसी दौरान नक्सलियों से हुई मुठभेड़ में दो जवान घायल हो गए। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर उपचार के लिए रायपुर रेफर किया गया है। जानकारी के मुताबिक बुधवार को जिले के गंगालूर थाना क्षेत्र में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ होने की खबर सामने आई है। यह मुठभेड़ उस समय हुई जब सुरक्षा बल एंटी नक्सल ऑपरेशन के तहत इलाके में सर्चिंग अभियान चला रहे थे।

- बेहतर उपचार के लिए घायलों को रायपुर किया गया रेफर
- एंटी नक्सल ऑपरेशन के तहत इलाके में सर्चिंग अभियान पर निकले थे जवान

मुठभेड़ में एसटीएफ आरक्षक संत कुमार कोमरे को दाहिने हाथ में वहीं दूसरे जवान महेश गटपल्ली आरक्षक बस्तर फाइटर को सामान्य चोटें आईं है। दोनों घायल जवानों को इलाज के लिए दंतेवाड़ा लाया गया। घायलों के प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए हेलीकॉप्टर से रायपुर रेफर कर दिया गया है।

कुछ नक्सलियों के घायल होने की खबरः आईजी

बस्तर आईजी सुंदरराज पी ने बताया कि सुरक्षा बलों को गंगालूर थाना क्षेत्र में नक्सलियों की गतिविधि की सूचना मिली थी। जिसके बाद एसटीएफ व बस्तर फाइटर की सयुंक्त टीम को नक्सल आपरेशन में रवाना किया गया था। सर्चिंग के दौरान नक्सलियों ने जवानों पर फायरिंग शुरू कर दी। जवानों ने भी जवाबी कार्रवाई की जिसके बाद जवानों को भारी पड़ता देख नक्सली भाग खड़े हुए। जवानों की जवाबी कार्रवाई में कुछ नक्सलियों के घायल होने की खबर है। आईजी ने बताया कि मुठभेड़ के बाद इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। अतिरिक्त बलों को तैनात किया गया है। नक्सलियों के खिलाफ बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

मातृशक्ति द्वारा निकाली गई भव्य चुनरी यात्रा

मां दंतेश्वरी को चढ़ाई 108 मीटर लंबी चुनरी

जगदलपुर। रामनवमी पर्व भव्य एवं आकर्षक ढंग से हर्षोल्लास के साथ शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में मनाया जा रहा है। चैत्र शुक्ल प्रतिपरा हिन्दू नव वर्ष के प्रथम दिन से लेकर नवमी तक प्रत्येक दिन विश्व हिन्दू परिषद, मातृशक्ति दुर्गा वाहिनी, बजरंग दल द्वारा विभिन्न प्रकार के आयोजन जगदलपुर नगर में किया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को मां दुगामंदिर शांति नगर से आकर्षक चुनरी यात्रा निकाली गई। चुनरी यात्रा में शामिल महिलाएं अपने पारंपरिक वेशभूषा में 108 मीटर लंबी माता की चुनरी हाथों मे थामे चल रही थी जगह-जगह चौक चौराहों पर पुष्प वर्षा कर माता की चुनरी का स्वागत किया गया। यह चुनरी यात्रा शांति नगर दुर्गा मंदिर से निकलकर लाल चर्च के सामने से होते हुए चांदनी चौक, झूलेलाल मार्ग, जयस्तम चौक से गुरु नानक चौक होते हुए मां दंतेश्वरी मंदिर पहुंचकर माता को चुनरी चढ़ाई गई। इस दौरान सारा शहर माता की भजनों से गुंजायमान हुआ।

शिष्यवृत्ति नहीं मिलने से 80 आदिवासी छात्राओं का भविष्य हो रहा अंधकारमय

हरिभूमि न्यूज ▸▸| जगदलपुर

बकावंड ब्लाक में 80 आदिवासी छात्राओं को बीते वित्तीय सत्र में छात्रवृत्ति नहीं मिल पाने से उनका भविष्य अंधकारमय हो रहा है। यह आरोप बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल ने लगाया है।उन्होंने कहा कि प्रदेश में डबल इंजन की सरकार बनने के बाद महज श्रेय लेने के उद्देश्य से सांसद महेश कश्यप द्वारा कलेक्टर एवं आदिम जाति कल्याण विभाग के सहायक आयुक्त पर दवाब बनाकर बकावंड ब्लाक मुख्यालय में सात वर्ष पहले बने 250-250 सीटर बालक-बालिक छात्रावास भवन का 13 जुलाई 2024 का न केवल लोकार्पण किया गया बल्कि वहां बजट के स्वीकृति के बगैर छात्र-छात्राओं को प्रवेश दिया गया। कार्यक्रम में दावा किया गया कि जो काम पांच साल में कांग्रेस सरकार नहीं कर सकी उसे हमने कर दिखाया, सांसद ने जमकर डबल इंजन की सरकार की वाहवाही बटोरी गई। उन्होंने कहा कि यही नहीं सत्र के दौरान सरकारी अधिकारी-कर्मचारियों ने भी छात्रावास का निरीक्षण दिखावे के तौर पर अनेकों बार किया पर ▸▸| शेष पेज 12 पर

भगवान के दर्शन से ही माया से मिलती है मुक्ति : वरूण

हरिभूमि न्यूज ▸▸| जगदलपुर

करपावण्ड के चिउरगांव में 28 मार्च से आयोजित श्रीमद भागवत महापुराण कथावाचन किया जा रहा है। प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु महापुराण कथा श्रवण के लिए पहुंच रहे है।

जेंजरा राजिम से पहुंचे कथावाचक परमपूज्य पंडित वरुण तिवारी ने कथा के चौथे दिन के प्रसंग में कहा कि गजेन्द्र ही जीव है, मगर ही माया है केवल भगवान के शुभ दर्शन ही माया को काट सकता है। गौरतलब है कि करपावण्ड के चिउरगांव में बैस परिवार व ग्रामवासियों द्वारा भागवत महापुराण कथावाचन कराया जा रहा है। कथा में आगे पंडित जी ने राम अवतार की चर्चा की और श्री कृष्ण प्रागात्य महोत्सव बैस परिवार और समूचे ग्रामवासियों के साथ बड़े धूमधाम से मनाया जा रहा है। कथा का आयोजन संतोष ▸▸| शेष पेज 12 पर

उड़नदस्ता ने कार्रवाई कर लक्ष्य से अधिक राजस्व वसूला

जांच में 1637 वाहनों पर किया गया 49.25 लाख का जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ▸▸| जगदलपुर

बस्तर संभागीय मुख्यालय से रायपुर, कोंटा, बैलाडीला, भोपालपटनम, उड़ीसा एवं आंध्रप्रदेश रोड में जाने एवं आने वाले वाहन बेखौफ परिवहन नियमों उल्लंघन कर रहे है। इसे रोकने के लिए परिवहन विभाग के उड़नदस्ता प्रभारी की टीम सुबह से शाम तक विभिन्न सड़कों में वाहनों की जांच कर रही है। जांच के दौरान मार्च माह में 1637 वाहन नियमों उल्लंघन करते पाए गए, जिन पर 49 लाख 24 हजार 652रुपए का जुर्माना किया गया। इसमें से 1524 वाहनों से 21 लाख 26 हजार 600 रूपए समझौता शुल्क लिया गया। साथ ही 78 वाहनों पर ई-चालान कर 13 लाख 76 हजार 700 रूपए एवं 35 वाहनों से बकाया टैक्स 14 लाख 21 हजार 952 रूपए वसूल किया गया। लगभग 4 ओव्हरलोड वाहन मिले, जिन पर एक लाख 53 हजार रूपए कार्रवाई की गई। बताया जा रहा है मुख्यालय से लक्ष्य राजस्व से दोगुना राजस्व लिया गया।

- परिवहन विभाग की टीम कर रही वाहनों की जांच

साथ ऐसे वाहनों के चालकों को कहा गया कि वे वाहनों में आगे-पीछे और बाजू में रेडियम जरूरी है। वाहन फिटनेस के लिए जाती है उस समय रेडियम की जरूरत होती है। साथ ही रोड पर चलने वाली वाहनों में रेडियम के अभाव में खतरनाक दुर्घटना की संभावना रहती है। रेडियम नहीं होने पर भी वाहनों के खिलाफ जुर्माना किया जा रहा है।

नियमों के उल्लंघन पर वाहनों होंगे जब्त

परिवहन विभाग के उड़नदस्ता प्रभारी एवं निरीक्षक अनिल गारदे ने बताया कि परिवहन नियमों को उल्लंघन करने वाले वाहनों पर सख्ती की जा रही है। दूसरी बार नियमों का उल्लंघन पर वाहन की जब्ती कार्रवाई की जाएगी।

खबर संक्षेप

नपा अध्यक्ष ने ली पंप चालकों की बैठक

कोण्डागांव। नगर पालिका कोंडागांव में अध्यक्ष नरपति पटेल, उपाध्यक्ष जसकेतु उसेंडी और सीएमओ ने जल प्रदाय शाखा एवं पम्प चालकों की बैठक ली। बैठक में गर्मियों में पंप चालू कर पूरे वार्ड का भ्रमण करते रहने तथा कहीं भी टूट रहे तो उसको तत्काल मरम्मत करने की निर्देश दिए गए हैं। वार्ड में जहां पानी नहीं पहुंच रही है वहां पर पानी टैंकर से सप्लाई करने के निर्देश दिए गए। साथ ही पम्प चालकों को वार्डों में लगाए जाने मोटर पंप की जांच कर जप्त करने की कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान कहीं से भी शिकायत आने पर चालकों के विरुद्ध करवाई करने की चेतावनी दी गई है।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए 15 अप्रैल तक कर सकते हैं आवेदन

कोण्डागांव। छत्तीसगढ़ राज्य के अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के लिए 2024–25 सत्र में ऑनलाइन पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के आईलाइन आवेदन आमंत्रित की गई है। यह छात्रवृत्ति कक्षा 12वीं से उच्चतर के लिए उपलब्ध है। इच्छुक विद्यार्थी 3 अप्रैल से 15 अप्रैल 2025 तक ऑनलाइन पंजीयन करा सकते हैं। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग ने जानकारी देते हुए बताया कि राज्य शासन के निर्देशानुसार शासकीय और अशासकीय महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों, इंजीनियरिंग कॉलेजों, मेडिकल कॉलेजों, नर्सिंग कॉलेजों, पॉलिटेक्निक एवं आई.टी.आई. के प्राचार्यों और छात्रवृत्ति प्रभारी द्वारा ऑनलाइन पंजीकरण, स्वीकृति और वितरण की प्रक्रिया पर की जा रही है।

आयुष्मान योजना से आठ वर्षीय मनराज को मिला नवजीवन, हृदय रोग से मिली मुक्ति

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव

मिली लाख 59 हजार रूपए की आर्थिक सहायता, सर्जरी के बाद पूरी तरह स्वस्थ है मनराज

शासन की जनकल्याणकारी आयुष्मान भारत योजना के तहत कोण्डागांव जिले के एक गरीब परिवार के मासूम बच्चे के गंभीर रोग का निशुल्क उपचार संभव हो सका जिससे बच्चे को नई जिंदगी के साथ परिवार को बड़ी राहत मिली। इस योजना की बदौलत न केवल बच्चे का उपचार हुआ, बल्कि इससे पूरे परिवार के सदस्यों के चेहरे पर फिर से मुस्कान लौट आई।

कोण्डागांव विकासखण्ड के ग्राम मड़ानार निवासी सुगन्तीन नाग और खेलसिंग नाग के आठ वर्षीय पुत्र मनराज नाग को बचपन से ही लगातार सर्दी–खांसी की समस्या बनी रहती थी। बच्चे की इस बीमारी का स्थानीय अस्पतालों में कई बार उपचार कराने के बावजूद उन्हें कोई राहत नहीं मिल रही थी और आर्थिक परेशानियों का भी सामना करना पड़ रहा था। स्थानीय स्तर पर कोई राहत नहीं मिलने पर बेहतर चिकित्सा की तलाश में उनके परिवार ने आंध्र प्रदेश के एक निजी अस्पताल में पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने आवश्यक परीक्षण के बाद बताया कि मनराज के हृदय में छेद है और सर्जरी ही इसका एकमात्र समाधान है। लेकिन सर्जरी का खर्च वहन कर पाना परिवार के लिए संभव नहीं था जिसके कारण वे निराश होकर पुनः अपने गांव लौट आए। अपने बच्चे को हो रही परेशानी को देखते हुए आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद परिवार ने हिम्मत नहीं हारी। उन्होंने गांव के स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं से संपर्क करने पर उन्हें आयुष्मान भारत योजना की जानकारी मिली। यह योजना उनकी आशा की किरण बनी। जिले के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के मार्गदर्शन में मनराज को रायपुर के एसएमसी हार्ट इंस्टीट्यूट ले जाया गया। जहां नवंबर 2024 में उनकी कार्डियोथोरेसिक और वेस्कुलर सर्जरी सफलतापूर्वक की गई। जिसके लिए आयुष्मान योजना से 1 लाख 59 हजार रूपए की आर्थिक सहायता मिली। हृदय की सर्जरी के बाद आज मनराज पूरी तरह स्वस्थ है और एक नया जीवन जी रहा है।

दूरस्थ अंचलों तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशा के अनुरूप सरकार राज्य के नागरिकों के स्वास्थ्य के प्रति बेहद संवेदनशील है। जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से दूरस्थ अंचलों तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है और इसके सकारात्मक परिणाम भी सामने आ रहे हैं। शासन के आयुष्मान भारत योजना के बेहतर क्रियान्वयन का परिणाम है कि इस योजना ने न केवल एक मासूम बच्चे को जीवनदान दिया, बल्कि उसके परिवार को भी एक नई आशा और विश्वास से भर दिया।

8 अप्रैल को होगा आयोजन, सीएम साय भी होंगे शामिल

बंजारा महाकुंभः सांस्कृतिक और सामाजिक एकता का अनूठा संगम

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरसगांव

ऑल इंडिया बंजारा सेवा संघ के तत्वाधान में 8 अप्रैल 2025 को विशाल बंजारा महाकुंभ का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन विश्व बंजारा दिवस 2025 के उपलक्ष्य में राजधानी रायपुर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम, साइंस कॉलेज में संपन्न होगा। इस महाकुंभ में छत्तीसगढ़ सहित पूरे भारत के बंजारा नायक समाज के प्रमुख प्रबुद्धजन शामिल होंगे।

बंजारा समाज के युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश मीडिया प्रभारी रामकुमार भारद्वाज ने बताया 08 अप्रैल को विश्व बंजारा दिवस के अवसर पर आयोजित विशाल बंजारा कुंभ में शामिल होने के लिए छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी को बसना विधायक संपत अग्रवाल के नेतृत्व में बंजारा समाज का प्रतिनिधि मंडल ने प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से भेंट मुलाकात कर आमंत्रित किया। इस दौरान बंजारा समाज के प्रदेश अध्यक्ष सदाशिव नायक, युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अजय नायक, कोंडागांव जिलाध्यक्ष सुखिया राम चौहान, सहित अन्य समाज प्रमुख मौजूद रहे। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने 8 अप्रैल को होने वाले बंजारा महाकुंभ में शामिल होने की सहमति दे दी है। उन्होंने कहा विश्व बंजारा दिवस में होने वाले बंजारा महाकुंभ में उपस्थित बंजारा समुदाय को सम्बोधित भी करेंगे। छत्तीसगढ़ बंजारा समाज के प्रदेश अध्यक्ष सदाशिव राम नायक, युवा प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष अजय नायक, महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष निर्मला नायक, महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश उपाध्यक्ष ललिता भारद्वाज, राधा नायक व अन्य प्रदेश पदाधिकारियों ने प्रदेश के बंजारा समाज के समस्त सदस्यों को विशाल बंजारा महाकुंभ के शामिल होने के लिए अपील किया है।

बंजारा गीतों व नृत्य की होगी प्रस्तुति

कार्यक्रम के दौरान बंजारा समाज की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को प्रदर्शित करने के लिए लड़ी, भाग, डंडा, बंजारा गीतों पर विशेष नृत्य प्रस्तुत किए जाएंगे। इसके अलावा, समाज के सेवा कार्यों में योगदान देने वाले व्यक्तियों को "छत्तीसगढ़ बंजारा रत्न" एवं "छत्तीसगढ़ बंजारा पद्म भूषण" से सम्मानित किया जाएगा।

आयोजन का उद्देश्य

इस महाकुंभ का मुख्य उद्देश्य बंजारा समाज की एकता, अखंडता, संप्रभुता और आपसी भाईचारे को मजबूत करना है। समाज के सर्वांगीण विकास एवं सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने के लिए इस भव्य आयोजन की रूपरेखा तैयार की गई है।

चुनाव जीतने वाले होंगे सम्मानित

छत्तीसगढ़ में हाल ही में हुए त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों में निर्वाचित पंच, उप सरपंच, सरपंच, जनपद सदस्य, जिला पंचायत सदस्य, तथा नगरीय निकायों के पार्षद, नगर अध्यक्ष और पालिका अध्यक्षों को विशेष प्रतीक चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

नगरवासियों ने हर्षोल्लास के साथ मनाया नपा का 50वां स्थापना दिवस

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव

नगर पालिका के स्थापना दिवस के अवसर पर गरिमापूर्ण समारोह का आयोजन किया गया। 1 अप्रैल 1975 को स्थापित इस नगर पालिका ने अपने 50 वर्ष पूर्ण किए जिसे सभी नगरवासियों ने हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष नर सिंह पटेल, उपाध्यक्ष जश केतु उसेंडी सीएमओ दिनेश डे पार्षदगण एवं समस्त अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

नगर पालिका की स्थापना 1 अप्रैल 1975 को की गई थी। स्थापना के समय इसमें कुल 11 वार्ड थे। 1980 में यह संख्या बढ़कर 12 हुई, 1985 में 18 वार्ड हो गए और 2019 में नगर पालिका का विस्तार करते हुए इसे 22 वार्डों में विभाजित कर दिया गया। वर्तमान में नगर की जनसंख्या लगभग 40,000 है, और नगर पालिका निरंतर विकास की दिशा में अग्रसर है। स्थापना दिवस समारोह में नगर पालिका अध्यक्ष ने अपने संबोधन में कहा कि नगर का विकास उनकी प्राथमिकता है और आने वाले वर्षों में और अधिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

बीते वर्षों में हुए कार्यों की झलक की प्रस्तुत

इस अवसर पर नगर पालिका कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। जिन्होंने अपने कार्यों से नगर के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। साथ ही, नगर के विकास कार्यों की चर्चा की गई। जिसमें बीते वर्षों में हुए कार्यों की झलक प्रस्तुत की गई। नगर पालिका के इस स्वर्ण जयंती समारोह में नगरवासियों ने भी बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया और इसे ऐतिहासिक बना दिया। नगर पालिका प्रशासन ने इस मौके पर सभी नागरिकों को स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और नगर के विकास में सहयोग देने का आग्रह किया।

गाय की हर्नियोप्लास्टी सर्जरी हुई सफल

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव

पशुधन विकास विभाग कोंडागांव के चिकित्सकों ने हर्नियोप्लास्टी द्वारा गाय के हर्निया का सफल ऑपरेशन किया। ज्ञात हो कि शुक्रवार 28 मार्च 2025 को विकासखंड फरसगाँव के ग्राम बोरगांव में पशु मालिक राखल राव की गाय को पिछले एक माह से पेट में सूजन की शिकायत थी। जिससे गाय को खाने–पीने में तकलीफ हो रही थी और वह कमजोर होती जा रही थी। सूचना मिलने पर जिले में पदस्थ पशु चिकित्सकों ने जांच की और पाया कि गाय की पेट की मांसपेशियां फट जाने के कारण हर्निया बन गया था। उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं, जिला कोंडागाँव के निर्देशानुसार गाय की जीवन रक्षा हेतु एवं पशु मालिक की सहमति से डॉ. ढालेश्वरी ने तत्काल सर्जरी से हर्नियोप्लास्टी करने का निर्णय लिया। इस सर्जरी में डॉ. कृष्ण कोर्राम वीएएस, मर्दापाल एवं डॉ. अनिल एमयूवी, फरसगाँव का विशेष सहयोग रहा। बीते दो वर्षों में जिले के पशु चिकित्सकों ने लगातार कई सफल ऑपरेशन कर पशु चिकित्सा के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। इन ऑपरेशनों में न केवल पालतू पशु बल्कि अन्य प्रकार के जानवर भी शामिल रहे हैं, जिनका जटिल से जटिल इलाज सफलतापूर्वक किया गया है। यही नहीं जिले के बाहर से भी यहां इलाज व ऑपरेशन के लिए पशु लाए जाते रहे हैं, जिनका सफल इलाज किया जा चुका है। यह जिले की पशु चिकित्सा विभाग के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जो लगातार पशु चिकित्सा सेवा क्षेत्र में बेहतर सुविधाएं दे रही है। पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ डॉ. ढालेश्वरी ने बताया कि गाय में वेंट्रल हर्निया तब होता है जब पेट की दीवार कमजोर हो जाती है या फट जाती है। जिससे पेट के अंदरूनी अंग बाहर की ओर उभर आते हैं। यह आमतौर पर पेट के निचले हिस्से में दिखाई देता है। इसका कारण चोट लगने, गिरने या सींग से मार खाने की वजह से पेट की दीवार कमजोर हो सकती है। बार बार गर्भ धारण करने या मुश्किल प्रसव के कारण पेट की मांसपेशियां कमजोर हो सकती हैं। गाय या पशुओं को भारी भार खींचने या झटके से खड़ा होने के कारण हर्निया हो सकता है। साथ ही पेट की किसी पुरानी चोट, सर्जरी या संक्रमण के कारण पेट की दीवार कमजोर हो सकती है। इसका लक्षण पेट के निचले हिस्से में सूजन दिखना गाय को चलने या खड़े होने में कठिनाई होना, अधिक गंभीर मामलों में भूख कम होना और कमजोरी शामिल है।

- पेट की मांसपेशियां फट जाने के कारण हो गया था हर्निया

सैन्य प्रशिक्षण के लिए सातवें बैच का आगाज कड़ी मेहनत करते नजर आएंगे भावी योद्धा

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव

चैत्र नवरात्रि के शुभ अवसर पर अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद कोंडागांव द्वारा निःशुल्क सैन्य प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन कार्यक्रम के सातवें चरण का भव्य शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने भारत माता के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर दीप प्रज्वलित किया। जिसके पश्चात सभी सम्मानित अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में बस्तर संभाग प्रभारी सुब्रत साहा ने युवाओं को निशुल्क सैन्य प्रशिक्षण की विस्तृत जानकारी दी। जिला रोजगार अधिकारी पवन नेताम ने युवाओं को कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित किया और परिषद के प्रयासों की सराहना की।

इसके बाद, परिषद द्वारा संचालित सैन्य प्रशिक्षण के माध्यम से अग्निवीर भर्ती में चयनित 10 युवाओं को पुष्पमाला पहनाकर प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दी गईं। कार्यक्रम के अंत में जिलाध्यक्ष सूरज यादव ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया और प्रशिक्षणार्थियों को स्वल्पाहार कराकर कार्यक्रम का समापन किया गया। इस अवसर पर जिला रोजगार अधिकारी पवन नेताम, बस्तर संभाग प्रभारी सुब्रत साहा, जिलाध्यक्ष सूरज यादव, सचिव उमेश साहू, कोषाध्यक्ष सोमेश्वर भारती, कमलेश्वर ध्रुव, सह सचिव रवि ठाकुर, केशकाल ब्लॉक अध्यक्ष आसमन मंडावी, बड़ेराजपुर ब्लॉक अध्यक्ष रूपम राम मरकाम, पूर्व सैनिक हीरासिंह कोर्राम, सेवारत सैनिक डोनेंद्र कुमार एवं घिना नेताम, अधिवक्ता दीपक ठाकुर, माधव लाल सोनी, छनेद्र पाणिग्रही, पवन सोनी, हीरालाल तालुकदार, श्रीमती केकती बर्मन सहित बड़ी संख्या में युवक–युवतियां उपस्थित रहे।

- अग्निवीर में चयनित 10 युवाओं को पुष्पमाला पहनाकर प्रदान किया प्रशस्ति पत्र

केशकाल में गणगौर महोत्सव पूजा की धूम

केशकाल। होली के दिन से प्रारम्भ हुए 16 दिवसीय गणगौर महोत्सव पूजा की केशकाल नगर में धूम मची हुई है मान्यता अनुसार आठ दिनों तक होलिका के भस्म से बनी गणगौर के प्रतीक पिंडियों की पूजा होती है। शीतला अष्टमी को कुम्हार के घर से मिट्टी लाकर विधि-विधान से गणगौर की स्थापना की जाती है। गणगौर और ईसर का सामूहिक रूप से विधि-विधान से पूजन किया जाता है। शाम को बच्चों को बींद-बीनणी का स्वरूप बनाकर गाजे-बाजे के साथ बिंदौरी निकाली जाती है। गणगौर के दिन ईसर-गणगौर की पार्वती व शिव के रूप में पूजा की जाती है। उन्हें भोग स्वरूप गुणा-सकरपारा अर्पित किए जाते हैं। कुंवारी कन्याएं सुयोग्य वर की प्राप्ति के लिए पूजा करती हैं। वहीं विवाहित महिलाएं अखंड सुहाग की कामना के लिए व्रत रखकर गणगौर पूजन करती हैं। केशकाल नगर में राजस्थानी महिलाएं एवं कन्याए पारम्परिक वेश धारण कर पूजन भजन कर उत्सव का आनंद ले रहीं हैं। गणगौर पूजा में 16 अंक का विशेष महत्व है। गणगौर पूजा 16 दिनों की होती है। गणगौर पूजन के लिए कुंवारी कन्याएं और सुहागिन महिलाएं सुबह सुंदर वस्त्र, आभूषण पहन कर सिर पर लोटा लेकर बाग-बगीचों में जाती हैं। वहीं से ताजा जल लोटों में भरकर उसमें हरी-हरी दूब और फूल सजाकर सिर पर रखकर गणगौर के गीत गाती हुई घर आती हैं। इसके बाद मिट्टी से बने शिव स्वरूप ईसर और पार्वती स्वरूप गौर की प्रतिमा और होली की राख से बनी 8 पिंडियों को दूब पर एक टोकरी में स्थापित करती हैं। दूब घास और पुष्प से उनकी पूजा-अर्चना की जाती है। 16 दिन तक दीवार पर सोलह-सोलह बिंदिया रोली, मेहंदी, हल्दी और काजल की लगाई जाती हैं। दूब से पानी के 16 बार छींटे 16 श्रृंगार के प्रतीकों पर लगाए जाते हैं। गणगौर को चढ़ने वाले प्रसाद और फल, सुहाग सामग्री भी 16 के अंक में चढ़ाई जाती है। वहीं उद्यापन करने वाली महिलाएं 16 सुहागिनों को भोजन कराकर उपहार स्वरूप भेंट देती हैं।

ये रहे शामिल–केशकाल में आयोजित गणगौर महोत्सव पूजा में विशेष रूप से लक्ष्मी देवी शर्मा, बबीता शर्मा, मंजू शर्मा, भाग्यश्री शर्मा, झलक शर्मा, लक्ष्मी तातेड़, नेहा, कुमकुम शर्मा, शोभा गोलछा, मोरवी शर्मा, लादो शर्मा शामिल हैं।

अनंतपुर में आयोजित हुई बिहान वार्षिक आमसभा

कोण्डागांव। ग्राम पंचायत अनंतपुर में बुधवार को जनपद पंचायत मकड़ी द्वारा बिहान वार्षिक आमसभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक वाय. अक्षय कुमार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कौशलेंद्र देव पटेल के निर्देश और एसडीओपी रूपेश कुमार के मार्गदर्शन में महिलाओं को उनके संवैधानिक और कानूनी अधिकारों की जानकारी देने का कार्यक्रम आयोजित किया गया। थाना अनंतपुर के प्रभारी अखिलेश धीवर ने आमसभा में उपस्थित महिलाओं को संबोधित करते हुए अपराधों की रोकथाम और सुरक्षा के प्रति सतर्क रहने की अपील की। उन्होंने पाक्सो एक्ट, जे.जे. एक्ट, बच्चों एवं महिलाओं से संबंधित अपराधों की रोकथाम और अभिव्यक्ति ऐप की उपयोगिता पर विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान आसपास के गांवों से आई महिलाओं ने भी इस जागरूकता अभियान में भाग लिया और महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। अनंतपुर पुलिस की इस पहल को महिलाओं ने सराहा और इसे जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक सकारात्मक कदम बताया।

आतिशबाजी से किया गया हवलदार रतिराम सोरी का इस्तेकबाल

सेवानिवृत्त हवलदार रतिराम सोरी का भव्य स्वागत, निकाली भव्य रैली

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव

भारतीय थल सेना के आर्टिलरी रेजिमेंट में 24 वर्षों तक देश की सेवा करने के पश्चात हवलदार रतिराम सोरी के सेवानिवृत्त होकर गृहग्राम खंडाम पहुंचने पर अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद कोंडागांव, परिवारजन, मित्रगण और ग्रामवासियों ने गर्मजोशी से भव्य स्वागत किया।

हवलदार रतिराम सोरी के बनियागांव आगमन पर आतिशबाजी के साथ भव्य जुलूस निकाला गया। परिवारजन, संगठन के सदस्य, गणमान्य नागरिक और निःशुल्क सैन्य प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे युवक–युवतियों ने तिलक आरती उतारकर एवं पुष्पमाला पहनाकर उनका अभिनंदन किया। इसके पश्चात, दुर्गा माता मंदिर में पूजा–अर्चना की गई और विशाल जुलूस निकाला गया। जिसमें पूरे गांव ने भारत माता की जय, वंदे मातरम और जय जवान जय किसान के नारों से वातावरण गुंजायमान कर दिया। बस्तर की सांस्कृतिक मांदरी नृत्य, देशभक्ति गीतों और डीजे की धुन पर निकला यह जुलूस उनके निवास स्थान तक पहुंचा। रास्ते में उच्च प्राथमिक शाला बड़े पारा सोनाबाल, शासकीय उच्च प्राथमिक शाला खंडाम और विभिन्न समाज के लोगों ने फूल बरसाकर उनका स्वागत किया।

देशसेवा का गौरवशाली सफर

हवलदार रतिराम सोरी ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि 24 वर्षों तक देश की सेवा करना उनके लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने युवाओं से सेना में भर्ती होकर देश सेवा करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि उनका सिलेक्शन 26 मार्च 2001 को भारतीय थल सेना की पहली आर्टिलरी रेजिमेंट की एकमात्र विक्टोरिया क्रॉस रेजिमेंट में हुआ। ट्रेनिंग हैदराबाद में पूरी करने के बाद, उन्होंने पंजाब, जम्मू–कश्मीर, महाराष्ट्र, बिहार, ग्लेशियर, तेलंगाना और बारामूला में अपनी सेवाएँ दीं। 31 मार्च 2025 को नासिक, महाराष्ट्र से वे सेवानिवृत्त हुए।

सम्मान और उपलब्धियाँ

हवलदार रतिराम सोरी को उनकी कड़ी मेहनत और उत्कृष्ट सेवाओं के लिए 2021 में सिकंदराबाद में डायरेक्टर जनरल आर्टि और 2024 में बारामूला में मेजर जनरल द्वारा सम्मानित किया गया। इसके अलावा, उन्हें कई प्रशंसा पत्र भी मिले। उन्होंने बताया कि तीन बार जम्मू–कश्मीर में सेवाएँ देने का अवसर मिला और अपने कार्य में दक्षता के कारण उन्हें विशेष जिम्मेदारियाँ सौंपी गईं। साथ ही, वे सेना में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में भी सक्रिय रूप से भाग लेते रहे। अपने सम्मान से अभिभूत हवलदार रतिराम सोरी ने कहा, अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद कोंडागांव, सोनाबाल और खंडाम के ग्रामवासियों ने जो सम्मान दिया है, उसके लिए मैं सदा आभारी रहूँगा। अब मैं परिषद से जुड़कर समाज सेवा में योगदान दूँगा।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर सर्व आदिवासी समाज के जिलाध्यक्ष बंगाराम सोड़ी, अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद कोंडागांव के संरक्षक एवं बस्तर संभाग प्रभारी सुब्रत साहा, जिलाध्यक्ष सूरज यादव, सचिव उमेश साहू, कोषाध्यक्ष सोमेश्वर भारती, सदस्य रूपधर राम नेताम, हीरासिंह कोर्राम, सोमलाल पोयाम, सेवारत सैनिक किशनलाल खंडाम, सरपंच जगबंधु सोरी, निःशुल्क सैन्य प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे युवक–युवतियाँ, तथा खंडाम, झारा और रानापाल गाँव के ग्रामवासी एवं उनके परिवारजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

पेज 11 के शेष

बस्तर पंडुम से नई ....

सशक्त मार्ग संस्कृति और परंपरा से होकर जाता है। यह उत्सव बस्तर को वैश्विक सांस्कृतिक मानचित्र पर एक नई पहचान दिलाएगा और हमारी जनजातीय परंपराएं आने वाली पीढ़ियों के लिए गर्व और प्रेरणा का स्रोत बनेंगी।

शिष्यवृत्ति नहीं मिलने ...

किसी ने भी स्वीकृति के बगैर दाखिल किए गए आदिवासी बच्चों की कोई सुध नहीं ली। अब सालभर बाद भी शिष्यवृत्ति न मिलने से अंधकारमय हैं। इतना ही नहीं बकाया शिष्यवृत्ति पटाने पालकों पर दवाब बनाया जा रहा है। इसके बगैर आगे की पढ़ाई छात्रावास में रहकर नहीं हो पाएगी इसकी अपरोक्ष रुप से धमकी दी जा रही है। विधायक लखेश्वर बघेल ने कहा कि छात्रावास में रहकर पढ़ाई कर रहीं 80 छात्राओं को शिष्यवृत्ति नहीं मिली है। जिसके एवज में वे दूरदराज गांव से जिला मुख्यालय पहुंच कभी इस दफ्तर तो कभी उस दफ्तर की खाक छान रहे हैं। विधायक लखेश्वर बघेल ने कहा कि छात्रावास का लोकार्पण कर तिलक चंदन लगाकर सांसद महेश कश्यप द्वारा जिन 80 आदिवासी छात्राओं का प्रवेश कराया गया उनकी शिष्यवृत्ति का शासन से प्रबंध कराएं। इन छात्राओं को आगे की पढ़ाई के लिए न भटकना पड़े इसकी समुचित व्यवस्था कर आगामी सत्र से 250-250 सीट की पूर्ति और संचालन व्यवस्था की स्वीकृति कराएं। यह नहीं होने पर छात्रावास की छात्राओं और पालकों के साथ उनके बंगले का घेराव कर बेमियादी धरना प्रदर्शन किया गया।

भगवान का शुभ ....

सिंह एवं ज्योति सिंह जैतेगिरि निवासी व परिवार के द्वारा किया जा रहा है। प्रतिदिन कथावाचन श्रवण करने चिउरगांव व आसपास के श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। इस आयोजन का समापन 4 अप्रैल का होगा जिसका पुण्य लाभ लेने की अपील ग्रामीणों व बैस परिवार ने श्रद्धालुओं से की है।

ब्रज 34 कोस में फैला है तो यह शरीर ही ब्रज है : श्रीमद भागवत महापुराण कथा के पंचम दिवस में कृष्ण बाल लीला व गोवर्धन लीला की कथा में पडिंत वरुण तिवारी ने कथावाचन में कहा कि ब्रज 34 कोस में फैला है तो यह शरीर ही ब्रज है। क्योंकि शरीर भी 34 अंगुल का ही है। ब्रज में भगवान का आगमन हुआ अगर जीव शरीर को ब्रज समझे और हृदय स्थल को अगर नन्द और यशोदा की तरह पवित्र कर भजन करे तो भगवान इस शरीर रूपी ब्रज में आने को विलंब नहीं करेंगे। महारास लीला की कथा के साथ रुक्मणि कृष्ण विवाह बड़े धूम धाम से मनाई गई।

खबर संक्षेप

12 लाख रुपए की सहायता राशि स्वीकृत

बीजापुर। कलेक्टर संबित मिश्रा द्वारा छत्तीसगढ़ शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के प्रावधानों के तहत राजस्व पुस्तक परिपत्र 6(4) के अंतर्गत प्राकृतिक आपदा प्रबंधन से पीड़ित परिवार को 12 लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि प्रदान करने की स्वीकृति दी गई है। जिसके अंतर्गत सर्पदंश से मृत्यु के दो प्रकरणों में से मृतिका सुजिता माड़वी के निकटतम वारिस उनकी माता हिड़मे महेश माड़वी निवासी ग्राम केतुलनार कुटरू एवं मृतिका चन्दे लेकाम के निकटतम वारिस उनके पति लच्छु लेकाम निवासी ग्राम पोन्दुम भैरमगढ़ इसी तरह नदी में डूबने से मृत्यु के एक प्रकरण में मृतक चन्द्रशेखर कश्यप के निकटतम वारिस उनकी माता शन्ति हेमला निवासी ग्राम नेलसनार भैरमगढ़ प्रत्येक को 4-4 लाख कुल 12 लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृति दी गई है। स्वीकृत राशि का भुगतान संबंधित हितग्राहियों के बैंक खाते में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से किए जाने के निर्देश संबंधित तहसीलदार को दिए गए है।

पेयजल व्यवस्था के लिए कन्ट्रोल रूम स्थापित

दंतेवाड़ा। जिले में ग्रीष्मकालीन में पेयजल व्यवस्था एवं पेयजल संकट की समस्या के निदान के लिए जिला प्रशासन द्वारा कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। इसके साथ ही जिला एवं विकासखण्ड स्तर पर भी नोडल अधिकारियों को नियुक्त किया गया हैं। जहां आम नागरिक एवं ग्रामीण जन अपनी पेयजल समस्याओं की शिकायतें दर्ज करवा सकते हैं। ज्ञात हो कि प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के अध्यक्षता में उप मुख्यमंत्री एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री अरुण साव की उपस्थिति में 24 मार्च को आयोजित बैठक में ग्रीष्मकाल के दौरान प्रदेश में पेयजल प्रदाय की सुदृढ़ व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए थे। इन निर्देशों के अनुरूप जिला दंतेवाड़ा के सभी ग्रामीण क्षेत्रों में हैंडपंपों का संधारण कार्य किया जा रहा है एवं आवश्यकता अनुसार हैंडपंपों में राइजर पाइप बढ़ाने व बदलने का कार्य भी किया जा रहा है। इस कार्य में ग्रामीणों द्वारा भी सहयोग किया जा रहा है जिससे कि जल संरक्षण के साथ स्वच्छता और जल स्रोत के संरक्षण के प्रति ग्रामीण जागरूक हो रहे हैं। खंड, उपखंड एवं विकासखंड स्तर पर पेयजल व्यवस्था हेतु कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है, जिससे कि समस्त ग्रामीण क्षेत्रों में भीषण गर्मी में भी पेयजल व्यवस्था सुचारू रूप से सुनियोजित निरंतर चलता रहे।

इंद्रावती नदी के निरंतर गिरते जल स्तर से मुक्ति मोर्चा चिंतित

जगदलपुर। निरन्तर सूख रहे इंद्रावती नदी में जल संरक्षण, जल वितरण के साथ बस्तर में पेयजल सिंचाई को लेकर सर्वाधिक सक्रिय रहने वाले बस्तर अधिकार मुक्ति मोर्चा के प्रमुख संयोजक नवनीत चांद

जीवनदायनी इंद्रावती नदी की गरिमा और भविष्य को लेकर अपनी आवाज बुलंद करते रहे हैं। चांद ने कहा उड़ीसा में इंद्रावती के किनारे मक्का व दूसरे तरह की फसल लहलहा रहा है जबकि बस्तर में स्थिति बदहाल है जोरा नाला की वर्तमान स्थिति सब कुछ स्पष्ट कर देती है। उन्होंने कहा कि अब नया प्रोजेक्ट बनाकर डैमेज कंट्रोल करने की कोशिश हो रही है आगे चल कर ओडिशा इसे भी बंद डिब्बे में ना डाल दे। उन्होंने कहा कि मुक्ति मोर्चा जीवनदायनी इंद्रावती नदी की गरिमा और अस्तित्व के साथ बस्तर के आम जनता वह किसानों के साथ है और इसके लिए हर स्तर पर संघर्ष करने तैयार है। यदि भाजपा सरकार उनके जनप्रतिनिधि ट्रिपल इंजन की सरकार होने के बाद भी ओडिशा में सरकार बीजेपी का होने के बाद भी बस्तर के जल संकट की समस्या इंद्रावती नदी में पानी लाकर खत्म नहीं कर सकते तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए यदि प्रशासन के द्वारा जल्द ही इसका हल नहीं निकल गया तो बस्तर मुक्ती मोर्चा शबरी नदी के सहायक नालो के समीप बसे सभी ग्राम पंचायत में चौपाल लगाकर जागरूक करेगी।

हाईस्कूल ग्राउंड में बस्तर पंडुम की हुई शुरुआत

अपनी संस्कृति को संवारने सहेजने का ऐतिहासिक अवसर है पंडुमः विधायक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दंतेवाड़ा

अपनी संस्कृति का पुनर्वलोकन यह संदेश देता है कि हम पूरी निष्ठा और सजगता से अपनी विरासत की जड़ों से जुड़कर उसे नया आयाम देवें। आधुनिक जीवनशैली को स्वीकार करके भी अपनी विरासत को सर्वोपरि रखना ही सही मायने में समाज को एक सूत्र में पिरोता है। इसी लक्ष्य और उद्देश्य के अनुरूप छत्तीसगढ़ संस्कृति विभाग एवं जिला प्रशासन के तत्वाधान में आज 2 अप्रैल से संभाग स्तरीय बस्तर पंडुम की हाई स्कूल मैदान में शुरुआत हुई।

उल्लेखनीय है कि बस्तर पंडुम 2 अप्रैल से 5 अप्रैल तक आयोजित होगी। जिसमें विभिन्न प्रकार के बस्तर संभाग के सभी जिलों की टीमों द्वारा विभिन्न विधाओं की प्रदर्शनी के साथ-साथ देश के अन्य राज्य जैसे ओडिशा, तेलंगाना, असम, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और मध्यप्रदेश के सांस्कृतिक दल अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी

■ **बस्तर संभाग के 600 प्रतिभागी बस्तर पंडुम में ले रहे है हिस्सा**

जाएगीं। आज कार्यक्रम के शुरुआत में विधायक चैतराम अटामी एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा सुकमा, बीजापुर, दंतेवाड़ा, बस्तर, कोंडागांव, नारायणपुर एवं कांकेर जनजातियों द्वारा लगाए गए स्टालों को देखा। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए स्थानीय विधायक ने कहा कि ऐतिहासिक बस्तर पंडुम में गांव-गांव से परंम्परा संस्कृति के प्रदर्शन को ऐतिहासिक अवसर बताते हुए कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के कुशल नेतृत्व में बस्तर पंडुम का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें बस्तर की सभी सांस्कृतिक की धरोहर को संजोने के लिए किया गया है। यह कार्यक्रम एक उत्साह के तरह मनाया जा रहा है। पहले ब्लॉक स्तर पर बस्तर पंडुम बनाया गया। उसके बाद जिला स्तर पर तथा अब संभाग स्तर पर बस्तर पंडुम बनाया जा रहा है। बस्तर पंडुम के माध्यम से

पारंपरिक नृत्य, लोकगीत, हस्तशिल्प, और आदिवासी रीति-रिवाजों को एक भव्य मंच प्रदान किया गया है। जिससे स्थानीय संस्कृति को नई पहचान मिलेगी। इस उत्सव में विभिन्न जनजातीय समूह अपनी कला और परंपराओं का प्रदर्शन कर रहे हैं, जिससे न केवल सांस्कृतिक जागरूकता बढ़ेगी बल्कि पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने बस्तर पंडुम की व्याख्या करते हुए कहा कि जनजाति बहुल क्षेत्र में उत्सव मनाने की परपंरा को पंडुम कहा जाता है। ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष अवसरों में मनाए जाने वाले इस पर्व को आज हम राज्य शासन के मंशानुरूप जिला मुख्यालय में मना रहे है। इसके साथ ही उपस्थित आगन्तुक जनप्रतिनिधियों ने भी बस्तर पंडुम को ऐतिहासिक क्षण बताते हुए कहा कि इससे देश दुनिया में बस्तर की आदिम संस्कृति को एक नयी पहचान मिलेगी। ज्ञात हो कि हाई स्कूल ग्राउंड में आज प्रारंभ हुए बस्तर पंडुम में संभाग के समस्त जिले सुकमा, बीजापुर, दंतेवाड़ा, बस्तर, कोंडागांव, नारायणपुर एवं कांकेर द्वारा अपने-अपने क्षेत्र के प्रमुख लोक नृत्यों का प्रदर्शन किया जाएगा इसके साथ ही इन जिलों द्वारा अपने स्टालों पर जनजाति पेय पदार्थ एवं व्यंजनों का प्रदर्शन किया जा रहा है। साथ ही खान पान के अलावा वेशभूषा आभूषणों वादय यंत्रों के भी स्टॉल लगाए गए है। कल 3 अप्रैल बस्तर पंडुम में उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, सहित अन्य राज्य स्तर के मंत्रीगणों का भी आगमन होगा इसके अलावा कल संध्या 6 बजे प्रख्यात कवि एवं राम कथा वाचक कुमार विश्वास द्वारा बस्तर के राम पर आधारित काव्य वाचन करेगें।

इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष नंदलाल मुड़ामी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष अरविंद कुंजाम, जिला पंचायत सदस्य कमला नाग, दंतेवाड़ा नगर पालिका अध्यक्ष पायल गुप्ता, गीदम नगर पालिका अध्यक्ष रंजनीष सुराना, बचेली, किरंदुल, जनपद पंचायत अध्यक्ष सुनीता भास्कर, कटेकल्याण, कुआकोंडा, एवं अन्य जनप्रतिनिधिगण, सर्व समाज प्रमुख सहित जिला पंचायत सीईओ जयंत नाहटा, एसडीएम लोकांष एल्मा सहित अन्य विभागीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

मनरेगा श्रमिकों को अब 261 रुपए मिलेगी मजदूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बीजापुर

केंद्र सरकार ने 2025-26 के लिए महात्मा गांधी नरेगा अंतर्गत रोजगार करने वाले ग्रामीण मजदूरी की राशि का निर्धारण किया है। 1 अप्रैल से महात्मा गांधी नरेगा योजना में कार्य करने वाले मजदूरों को 261 रुपए मजदूरी प्राप्त होगी। छत्तीसगढ़ को मजदूरी 261 रुपये की प्रति कार्य दिवस की दर से मिलेगी। केंद्रीय ग्रामीण मंत्रालय विकास ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत मजदूरी दरों में बदलाव का नोटिफिकेशन जारी किया है, 1 अप्रैल से ही नवीन दर लागू हो गया है।

■ **1 अप्रैल से नई मजदूरी दर लागू**

जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी हेमंत रमेश नंदनवार ने बताया कि कलेक्टर संबित मिश्रा के मार्गदर्शन में जिले में मनरेगा श्रमिकों को सही सही जानकारी पहुंचाने के साथ योजना का लाभ हितग्राहियों तक पहुंचाने के उद्देश्य से कार्य किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 1 अप्रैल 2025 से 18 रूपये की बढ़ोतरी करते हुए केंद्रीय ग्रामीण मंत्रालय विकास ने मनरेगा मजदूरी दर 261 कर दी है।

अध्यक्ष व सचिव पहुंचे धरना स्थल...

करपावण्ड। जनपद पंचायत बकावण्ड के जनपद अध्यक्ष सोनबारी भद्रे एवं उपाध्यक्ष तरुण कुमार पांडे सचिव संघ के धरना स्थल पहुंच कर सचिवो के शासकीयकरण की एक सूत्र मांग को जायज बताया और आश्वासन दिलाया की आपकी मांगों को पूरा किये जाएंगे।

आजादी का एहसास लेकर आई प्रधानमंत्री आवास योजना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बीजापुर

यह कहानी है जनपद पंचायत उसूर के नियद नेल्लानार ग्राम पंचायत धरमारम की 70 वर्षीय बुजुर्ग महिला गुंडी बुचमा की जिन्होंने अपने धैर्य और हौसले के बलबूते पर माओवाद के घने अंधेरे के साए में भी अपने सपने को जिंदा रखा। पति की मृत्यु वर्षों पूर्व बीमारी से हो गई थी, अपने पति की मृत्यु के बाद भी गुंडी बुचमा ने हिम्मत नहीं हारी आतंक और भय के माहौल में उसने अपने बेटे को शिक्षा से जोड़े रखा। वर्तमान में केन्द्र सरकार की महत्वकांक्षी प्रधानमंत्री आवास योजना में गुंडी बुचमा को पक्की छत का आवास बनकर तैयार है। क्षेत्र में गुंडी बुचमा का आवास आजादी के 77 वर्ष बाद सच्ची आजादी का एहसास करा रही है।

गुंडी बुचमा के आवास की कहानी इसलिए महत्वपूर्ण हो जाती है चूंकि ग्राम पंचायत धरमारम माओवाद से प्रभावित गांव होने के कारण शासकीय योजनाओं का संचालन कठिन था। आजादी के 77 वर्ष बाद भी आंतक और भय में ग्रामीण जीने को मजबूर थे। नक्सल प्रभाव के कारण ग्राम पंचायत में पानी, बिजली, सड़क जैसी मूलभूत सुविधाएं भी ग्रामीणों को नहीं मिल पा रही थी। भय और आतंक के इस माहौल में ग्रामीण चाह कर भी पक्के आवास का निर्माण नहीं कर पा रहे थे। गुंडी बुचमा एक अकेली महिला जो अपने बच्चे को खेती-बाड़ी कर पालन-पोषण कर रही थी। जिसके मन में विश्वास था कि एक दिन यह परिस्थिति जरूर बदलेगी। मन में विश्वास और धैर्य रखते हुए इस महिला ने अपने बच्चे को दूसरे पंचायत में भेज कर 12वीं तक पढ़ाया, जो की उनके लिए एक उपलब्धि है।

अब उनके परीक्षा की घड़ी समाप्त होने के दिन आ गए थे गांव में सुरक्षा कैंम्प लगने के साथ माओवाद का अंधियारा भी छटने लगा। वित्तीय वर्ष 24-25 में ग्राम पंचायत के द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना की जानकारी मिली। शुरूआत में ग्रामीण डर की वजह से आवास निर्माण करने में डर रहे थे। समय के साथ गुंडी बुचमा ने आवास का निर्माण प्रारंभ किया। वर्तमान में उनका पक्की छत वाला आवास बनकर तैयार हो गया है। हितग्राही अपने पुराने दिनों को याद कर बताती है कि किस तरह 300 माओवाद ने गांव में हमला किया था, जिससे पूरा गांव सहम गया था। गुंडी बुचमा के पुत्र का कहना है की माओवाद के डर से आज तक एक भी पक्का आवास नही बना हमारा आवास पहला पक्का बना है। माओवाद के डर से किस तरह झोपड़ी बिना बिजली, सड़क, पानी के जीवन कट रहा था। सुरक्षा कैम्प लगने के साथ धीरे-धीरे परिस्थितियां बदल रही हैं।

मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल में बच्चों को तिलक लगाकर प्रवेश उत्सव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बस्तर

डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल, करमरी में एक अप्रैल को नव शिक्षण सत्र के शुभारंभ के अवसर पर प्रवेश उत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय में नए विद्यार्थियों का हर्षोल्लास के साथ स्वागत किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चार और दीप प्रज्वलन से हुई, साथ ही बच्चों का स्वागत तिलक लगा कर किया गया। जिसके पश्चात विद्यालय के प्रभारी प्राचार्या ने छात्रों को प्रेरणादायक संबोधन दिया। उन्होंने शिक्षा के महत्व को रेखांकित करते हुए विद्यार्थियों को आत्मविकास एवं अनुशासन की राह पर चलने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय में प्रवेश लेने वाले नए छात्रों के लिए विशेष स्वागत सत्र का आयोजन किया गया। जिसमें उन्हें विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था, अनुशासन, पाठ्य सहगामी गतिविधियों और नैतिक मूल्यों से परिचित कराया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों में नए सत्र को लेकर उत्साह एवं उमंग देखने को मिला। विद्यालय प्रबंधन समिति एवं शिक्षकों ने सभी छात्रों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं और विश्वास जताया कि यह नया सत्र विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन एवं व्यक्तित्व विकास की दिशा में नए आयाम स्थापित करेगा। डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल, करमरी परिवार की ओर से सभी विद्यार्थियों को नव सत्र पर बधाई व हार्दिक शुभकामनाएं दी गई।

HEALTH TOWN

K'sagar's श्रेयन आयुर्वेद व पंचकर्म चिकित्सालय
श्री श्रेयन आयुर्वेद
Panchkarma & Wellness Centre
(संतुलन से भरा आयुर्वेद, स्वस्थ्य जीवन का राज)
वैद्य-डॉ. पल्लवी क्षीरसागर
MD आयुर्वेद (पुणे)
Timing- (11-8) by Appointment
Mob.: 9111922122, 9111912122,0771-3558564
पता :- B-22 जगन्नाथ मंदिर के पीछे, गायत्री नगर, रायपुर (छ.ग.)
उपलब्ध पंचकर्म
• बस्ति
• उत्तर बस्ति
• जानु बस्ति
इत्यादि।

श्री अनंत हॉस्पिटल
बांधा तालाब के सामने, बांधापारा, कोण्डागांव
07786450046, 9111551414
नेत्र रोग
● आधुनिक कम्प्यूटर द्वारा आंखों की जांच ● बिना इंजेक्शन, बिना टांके, आधुनिक मोतियाबिंद शल्यक्रिया ● लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा ● चश्मा ● नासूर की शल्यक्रिया
नाक, कान, गला विभाग
● सिर, मुख एवं गले का कैन्सर।
● ऑपरेशन द्वारा ईलाज
● नाक की प्लास्टिक सर्जरी
चक्कर की जाँच
एलर्जी
Dental & Consmetic Treatments
● टेड़े मेढ़े दांतो को सीधा करना
● दांतो की नसों का इलाज
● दांतों की सफाई व चमकाना
● दंत प्रत्यारोपण
● मुंह के कम खुलने का इलाज
(Hearing Aids) सुनाई मशीन
CERTIFIED ISO 9001

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

ACE COMBINE HARVESTER
विशेषताएं
◆ कृषि विभाग द्वारा मान्यता प्राप्त
◆ 100 प्रतिशत स्वदेशी (भारत में बना हुआ)
◆ लो मेंटेनेंस : कम लागत में ज्यादा काम
धान, मक्का, सोयाबीन, गेंहू, मूंग आदि की कटाई-मिंजाई के लिए।
100% Swadeshi
अग्रिम बुकिंग प्रारंभ
अधिकृत विक्रेता -
मे. सांई ट्रेक्टर्स सेल्स स्पेयर्स सर्विस
महालक्ष्मी एन्क्लेव के सामने, सिहावा रोड, धमतरी (छ.ग.)
मो. : 7000292192, 9425209243, 9424209243
शाखा : धमतरी रोड, नगरी, जिला-धमतरी
ब्रांच आफिस : जामकोट पारा, मेन रोड, कोण्डागांव

खबर संक्षेप

जनसेवा के लिए एम्बुलेंस संचालित करने जुटा रहे सहयोग

जगदलपुर। सकल जैन समाज एवं जैन सोशल वेलफेयर एसोसिएशन के तत्वावधान में जनसेवार्थ हेतु क्षेत्रवासियों को एंबुलेंस सेवा उपलब्ध करवाने के लिए हाता ग्राउण्ड में खेले जा रहे महावीर क्रिकेट कप सीजन 8 प्रतियोगिता के लीग मैच में मंगलवार को दो मैच खेले गये। जिसमें पहला मैच मोक्ष 11 व क्षमा 11 के बीच खेला गया। जिसमें मोक्ष 11 ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने का निर्णय लेकर निर्धारित 12 ओवर में विपक्षी टीम क्षमा 11 के समक्ष 6 विकेट के नुकसान पर 114 रन का लक्ष्य रखा। मोक्ष 11 की ओर से बैटिंग करते हुए टीम के खिलाड़ी राहुल सुराना ने महज 26 गेंदों में छः छक्के और दो चौके लगाकर 53 रनों की शानदार पारी खेली एवं नरेश रीढ़ ने भी 21 रन बनाकर अपना योगदान दिया। इस तरह दोनों ही खिलाड़ी अपनी टीम मोक्ष 11 के लिए संकटमोचक बनकर उभरे। और अपनी टीम को एक सुरक्षित व सम्मानजनक स्थिति में लाकर खड़ा किया।

दिव्यांगजनों को मिलेगा तीर्थ यात्रा का अवसर

जगदलपुर। राज्य शासन द्वारा मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के क्रियान्वयन हेतु जारी दिशा-निर्देश के अनुसार योजनांतर्गत वरिष्ठ नागरिकों तथा दिव्यांगजनों के अलावा विधवा तथा परित्यक्त महिलाओं को भी योजना में शामिल किया गया है। जिन्हें निर्धारित 19 तीर्थ स्थानों में से चयनित तीर्थ स्थान की यात्रा कराई जायेगी। वरिष्ठ नागरिकों, विधवा एवं परित्यक्त महिलाओं की यात्राएं एक साथ संचालित की जाएगी। दिव्यांगजनों हेतु पृथक से विशेष यात्राएं संचालित की जाएगी। बस्तर जिले हेतु मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत क्रमशः 394 एवं 28 व्यक्तियों को यात्रा पर भेजे जाने का लक्ष्य प्रदान किया गया है। उक्त लक्ष्य में चयनित हितग्राही, सहायकों सहित शासकीय अनुरक्षक एवं सुरक्षा कर्मी आदि सम्मिलित होंगे। इसे दृष्टिगत रखते हुए 394 के लक्ष्य अनुसार तीर्थदर्शन यात्रा के लिए जिले के नगरीय निकाय एवं ग्रामीण क्षेत्र के लिए लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

विधायक ने माता की श्रृंगार और पाठ्य सामग्री की भेंट

108 कन्याओं की पूजा कर अन्न भोग प्रसाद अर्पण किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

चैत्र नवरात्र के पंचमी तिथि बुधवार को गोवर्धन मठ पूरी के पीठाधीश्वर श्रीमज्ज जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती की सेना पीठ परिषद, आदित्यवाहनी-आनंदवाहनी की मातृ शक्तियां और पुरुष कर्मकर्ता के नेतृत्व में नगर के सिरहासार चौक स्थित मावली मंदिर में 108 कंवारी कन्याओं की पूजा कर उन्हें अन्न भोग प्रसाद खिलाया। साथ ही कन्याओं को पांव पंखार माता का वेश धारण कर उन्हें श्रंगार सामग्री एवं पाठ्य पुस्तक भेंट किया।

इस दौरान विधायक व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष किरण देव समेत अन्य जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में मातृ शक्ति व पुरुष कर्मकर्ताओं ने कुंवारी कन्याएं पुजा में सम्मलित हुए। विधायक ने आदित्यवाहनी-आनंदवाहनी के सदस्यों की प्रसंसा करते कहा कि नगर में सालभर मनाए जाने वाले विभिन्न धार्मिक आयोजन में वाहिनी के सदस्यगण बढ़-चढ़कर आयोजन करते है। चाहे वह नगर में श्रावण मास में भगवान भोलेनाथ की पालकी यात्रा,मासभर तक शिव जलाभिषेक, कार्तिक मास में सवा लाख दीपोत्सव समेत अन्य धार्मिक आयोजन किया जाता है। उन्होंने कहा आज भी मावली माता मंदिर में इस दौरान कन्या पूजन किया गया। आनंदवाहिनी और आदित्वाहिनी के द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में सम्मलित होने का शौभाग्य मिला।

कन्या पूजन में शहर के विभिन्न वार्डो से बड़ी संख्या में छोटी-छोटी कन्याओं को लेकर उनके माता-पिता मावली मंदिर पहुंचे थे। साथ ही अन्य जनप्रतिनिधि और कई धार्मिक संस्थाओं के पदाधिकारी भी शामिल हुए। इस कार्यक्रम में करीब 108 से अधिक कन्याओं का पूजन कर उन्हे खाना खिलाने के साथ ही श्रृंगार सामग्री भी दिया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग कन्याओं का पूजन करने के लिए पहुंचे थे। वाहिनी के पदाधिकारियों ने बताया कि इस पूजा को लेकर पहले से ही तैयारी पूरी कर ली गई थी। इस दौरान आदित्यवाहिनी और आनंदवाहिनी के पदाधिकारी और सदस्य मौजूद थे।

पंचमी तिथि में आज शहर का माहौल भक्ति में डूबा नजर आया। इधर माईं दंतेश्वरी मंदिर सहित सभी देवी मंदिरों में कलश स्थापना के साथ पहले दिन मां कुष्मांडा की पूजा की गई।

वन अधिकार अधिनियम की रक्षा के लिए सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

ग्राम सभा संघ बस्तर और सर्व आदिवासी समाज ने जिला कलेक्टर एवं मुख्यमंत्री, को ज्ञापन सौंपा। गौरतलब है कि वन अधिकार अधिनियम, 2006 संसद द्वारा पारित एक ऐतिहासिक कानून है, जो वनवासियों के पारंपरिक अधिकारों को मान्यता देता है और ग्राम सभाओं को वन प्रबंधन में सशक्त बनाता है। इसके बावजूद, कुछ सेवानिवृत्त वन विभाग के अधिकारियों और तथाकथित वन्यजीव संरक्षणवादियों द्वारा इस अधिनियम को कमजोर करने के निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। अब यह मामला सर्वोच्च न्यायालय में अंतिम चरण में पहुंच चुका है, जिससे लाखों वनवासियों के अधिकारों पर संकट मंडरा रहा है। सर्वोच्च न्यायालय ने 13 फरवरी 2019 को याचिका संख्या 109/2008 के तहत वनवासियों को बेदखल करने का आदेश जारी किया था, जिसे बाद में 28 फरवरी 2019 को स्थगित कर दिया गया था। अब इस स्थगन आदेश को हटाने की आशंका जताई जा रही है, जिससे लाखों वनवासी अपने आवास और अधिकारों से वंचित हो सकते हैं। ग्राम सभा संघ बस्तर जिला और सर्व आदिवासी समाज ने राज्य सरकार से आग्रह किया है कि वह इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में सशक्त कानूनी पैरवी करे और वनवासियों के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करे। साथ ही, उन्होंने निम्नलिखित मांगें रखीं:वन अधिकार अधिनियम, 2006 की रक्षा हेतु सर्वोच्च न्यायालय में प्रभावी और सशक्त कानूनी पैरवी सुनिश्चित की जाए। निरस्त किए गए सभी वन अधिकार दावों की निष्पक्ष एवं पारदर्शी समीक्षा ग्राम सभाओं की भागीदारी से कराई जाए। वन विभाग द्वारा किए जा रहे अवैध एवं मनमाने हस्तक्षेप को रोका जाए और ग्राम सभाओं को उनके अधिकारों के अनुरूप कार्य करने दिया जाए। राज्य और केंद्र सरकार पर दबाव बनाए कि वह वनवासियों के अधिकारों की रक्षा हेतु उचित नीति-निर्माण करे। इस अवसर पर प्रकाश ठाकुर, सम्भागीय अध्यक्ष, सर्व आदिवासी समाज बस्तर अनुभव शोरी, वन अधिकार कार्यकर्ता लक्ष्मी नाथ, अध्यक्ष, ग्राम सभा संघ महादेव बघेल, कोषाध्यक्ष संतु मौर्य, बनसिंह मौर्य, सोमारु बघेल, बामदेव भारती, कमलेश कश्यप सहित सर्व आदिवासी समाज युवा प्रभाग, जिला बस्तर के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

आईडिया कम्युनिकेट करने में संकोच न करें विद्यार्थी

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

शहीद महेंद्र कर्मा यूनिवर्सिटी में बुधवार को आईआईसी इकाई द्वारा स्टूडेंटस सेंसेटाईजेशन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न अध्ययनशालाओं के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया और इनोवेशन और स्टार्ट अप को लेकर अपनी आइडिया शेयर किए।

- इनोवेशन और उद्यमिता के लिए स्टूडेंट्स सेंसेटाईजेशन प्रोग्राम

आयोजन के स्पीकर राहुल सिंह ने कहा कि लीडरशीप से दूरी, कंफिडेंस की कमी और जरूरी स्किल नहीं होने के कारण स्टूडेंट्स इनोवेशन और उद्यमिता के क्षेत्र में आने में झिझक रहे हैं,जबकि इन कमियों को आसानी से दूर किया जा सकता है। विद्यार्थियों को बिना किसी संकोच के अपनी आईडिया को आईआईसी के साथ कम्युनिकेट करने आगे आना चाहिए। विवि की इंस्टीट्यूशनल इनोवेश न काउंसिल एवं एसएमकेवि इंक्यूबेशन एंड स्टार्टअप फाउंडेषन स्टूडेंट्स को हर स्तर पर सहयोग करेगा। प्रोजेक्ट रजिस्ट्रेश न के साथ गाइडेंस, फंडिंग, मेंटरषशिप, पेटेंट फाइलिंग और इन्क्यूबेशन सपोर्ट ईत्यादि में सहयोग करेगा। राहुल ने केंद्र सरकार के शिक्षा मंत्रालय के युक्ति नामक पहल की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि स्टार्टअप और इंटरप्रयोन्यरशिप के लिए लीडरशिप की कमी पर विशेष फोकस करने की जरूरत होती है। विद्यार्थी प्रॉब्लम सॉल्विंग एप्रोच के साथ हर क्षेत्र में सफल हो सकते हैं। विवि में स्थापित नई कंपनी विद्यार्थियों को हर सुविधा उपलब्ध कराएगी। डॉ रश्मि देवांगन ने कहा कि वर्तमान विद्यार्थी के अतिरिक्त पूर्व एल्युमिनाई विद्यार्थी भी अपनी आइडिया को विवि आईआईसी के साथ शेयर कर सकते हैं। विद्यार्थी केवल नए आईडिया ही नहीं बल्कि पुराने उद्यम को इनोवेशन के साथ सफल बनाने का आइडिया कम्युनिकेट कर सकते हैं। कार्यक्रम के आयोजन में अतिथि व्याख्याता डॉ गायत्री, डॉ कृष्ण कुमार वर्मा व अनुभा डे विश्वास सक्रिय रहे।

न्यायालय परिसर में हुआ मिलन समारोह

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

जिला न्यायालय स्थापना में नियुक्त प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अन्य न्यायाधीशों का न्यायिक कर्मचारियों द्वारा के स्वागत के बाद मिलन समारोह आयोजित किया गया। उच्च न्यायालय बिलासपुर के आदेश में स्थानांतरण पर नियुक्त गोविन्द नारायण जांगडे प्रधान जिला न्यायाधीश, श्रीमती संगीता नवीन तिवारी जिला न्यायाधीश (एफटीएससी), श्रीमती कीर्ति लकड़ा न्यायाधीश परिवार न्यायालय, कु. नीति व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी एवं श्रीमती निहारिका तिवारी व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी द्वारा एक अप्रैल को अपने पद पर कार्यभार ग्रहण करने पर सभी न्यायाधीशों का न्यायिक कर्मचारी संघ द्वारा स्वागत एवं मिलन समारोह आयोजित किया गया। स्वागत समारोह का सफल आयोजन तृतीय वर्ग न्यायिक कर्मचरी संघ के अध्यक्ष राकेश तिवारी ने किया। नव आगंतुक न्यायाधीशगणों का न्यायिक कर्मचारियों द्वारा पुष्प गुच्छ एवं पुष्पहार से स्वागत किया गया। समारोह में जिला न्यायिक स्थापना के सभी न्यायाधीश, प्रशासनिक अधिकारी एवं न्यायिक कर्मचारी संघ के समस्त सदस्य शामिल रहे।

241 बस्तरिया बटालियन ने हर्षोल्लास से मनाया स्थापना दिवस

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

241 बस्तरिया बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के अधिकारियों एवं जवानों द्वारा 1 अप्रैल को 8वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ ग्राम सेडवा में मनाया गया। इस अवसर पर संजय कुमार, द्वितीय कमान अधिकारी-241 बटालियन द्वारा क्वार्टर गार्ड पर सलामी ली गयी तथा सैनिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में शहीदों की शहादत को याद करते हुए बल एवं बटालियन के आदर्शों को हमेशा सर्वोच्च रखने संबंधी निर्देशों के साथ समापन किया गया।

इस अवसर पर खेल-कूद का आयोजन किया गया एवं सांस्कृतिक संध्या में सास्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें दिनेश कुमार सिंह, द्वितीय कमान अधिकारी-स्टाफ आफिसर, रेन्ज जगदलपुर, नवीन यादव, द्वितीय कमान अधिकारी-227 बटालियन, विकास कुमार, उप कमाण्डेन्ट, विनोद कुमार, सहायक कमाण्डेन्ट, विनोद सिंह, सहायक कमाण्डेन्ट, श्रीमती सविता सिंह, सहायक कमाण्डेन्ट के अलावा 241 बटालियन के सभी अधिनस्थ अधिकारीगण एवं जवान इस पल के साक्षी बने। इस अवसर पर शहीदों के परिवारजनों को सम्मानित किया गया एवं खेल-कूद तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

27 वनपाल का हुआ दीक्षांत समारोह...

जगदलपुर। शहर के वन विद्यालय में बुधवार को 45 दिवसीय वनपाल कौशल उन्नयन प्रशिक्षण सत्र 64 वां 17 फरवरी से 2 अप्रैल तक के दीक्षांत समारोह का आयोजन किया। इसमें छत्तीसगढ़ राज्य अंतर्गत पांच वृत्तों (सरगुजा, बिलासपुर, कांकेर, जगदलपुर एवं रायपुर वृत) से 27 वनपाल प्रशिक्षणार्थियों ने सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण अंतर्गत स्मार्ट क्लास रूम एवं क्षेत्रीय शैक्षणिक भ्रमण के माध्यम से विभागीय गतिविधियों, वानिकी संबंधित विषयों का प्रशिक्षण, साथ ही साथ शारीरिक गतिविधि, खेल, पीटी परेड, प्रायोगिक अभ्यास आदि कराया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान के निदेशक चूड़ामणि सिंह, वन विद्यालय की संचालक श्रीमती दिव्या गौतम एवं सहायक अनुदेशक लालसाय मरकाम, सत्यब्रत बराल, विद्यालय के कार्यालयीन एवं क्षेत्रीय कर्मचारी शामिल रहे।

निर्माण कार्यों में गुणवत्ता पर कोई समझौता नहीं : वर्मा

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

हाऊसिंग बोर्ड रायपुर से स्थानांतरण में जगदलपुर पहुंचे एचके वर्मा ने हाऊसिंग बोर्ड प्रक्षेत्र जगदलपुर के अपर आयुक्त का कार्यभार लिया। श्री वर्मा ने चर्चा करते हुए कहा कि बोर्ड की ओर से तीन संभाग में निर्माणाधीन कार्यों का निरीक्षण करेंगे, समय में कार्य पूरा करने का निर्देश ठेकेदारों करेंगे। साथ ही कहा कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता पर कोई समझौता नहीं करेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि बीजापुर जिले के बीजापुर, भैरमगढ़, भोपालपट्टनम एवं ऊसूर (आवापल्ली) में सामान्य प्रशासन विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों हेतु जीएडी आवास भवनों के निर्माण कार्यों का शीघ्र ही पहुंचकर कार्य का निरीक्षण कर रिपोर्ट मुख्यालय को भेजेंगे। बताया जा रहा है कि बीजापुर, भैरमगढ़, भोपालपट्टनम एवं ऊसूर (आवापल्ली) में जीएडी आवास भवनों पर ठेकेदार ने मनमानी की थी। इसमें भुगतान होने के बाद भी निर्माण कार्य बंद होने का समाचार हरिभूमि ने प्रमुखता से प्रकाशित किया था, जिससे आयुक्त ने ठेकेदार को ब्लैक लिस्ट किया और हाऊसिंग बोर्ड के दो अधिकारियों को निलंबित किया था।

- हाऊसिंग बोर्ड प्रक्षेत्र के अपर आयुक्त एचके वर्मा ने लिया पदभार

गोरखनाथ सरस्वती के मार्गदर्शन में साधकगण कर रहे योग साधना

जगदलपुर। योग से जुड़े साधकगण गोरखनाथ सरस्वती के मार्गदर्शन में योग साधना कर रहे हैं। शिवम योग समिति एवं जलाराम सेवा ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान 1 से 6 अप्रैल तक उच्च योग साधना शिविर का आयोजन हो रहा है जिसमें उच्च योग की अद्भुत साधना करवाई जा रही है। बिहार योग के द्वारा सम्पूर्ण विश्व को जिस योग निद्रा का अभ्यास सिखाया गया है वही आज यहाँ योग साधकों को सिखाया गया कि किस तरह निद्रा की अवस्था में भी मन को जागृत रखा जा सकता है। योग निद्रा में बिताया हुआ थोड़ा सा समय कैसे शरीर की निद्रा की जरुरत पूरी कर सकता है। स्वामी जी ने बताया कि कैसे स्वामी श्री निरंजनानंद सरस्वती जी ने 4 वर्ष की उम्र में ही योग निद्रा के माध्यम से योग के कई गूढ रहस्यों को जान लिया था। ध्यान के बारे कई जानकारियां देने के साथ उसका अभ्यास करवाया।

बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट स्पर्धा में महिलाओं किया मनोरंजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

ओसवाल जैन श्वेतांबर समाज के बैनर तले तेरापंथ परिवार के द्वारा खोजो, खेलो और जीतो और जैनिज्म परिवार द्वारा बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया।

खोजो, खेलो और जीतो प्रतियोगिता में 16 ग्रुप ने भाग लिया प्रत्येक ग्रुप में चार-चार सदस्य थे, यह गेम मनोरंजन के साथ-साथ धार्मिक ज्ञान की वृद्धि कराने वाला गेम था। यह चार राउंड में खेला जाने वाला गेम था। हर राउंड के बाद आधे ग्रुप अगले राउंड में गए अंत में शान्ति ग्रुप एवं दर्शन ग्रुप में फाइनल गेम खेला गया, जिसके विजेता शान्ति ग्रुप रही, रनरअप दर्शन ग्रुप। शान्ति ग्रुप में मृदुला सांखला, पूजा सुराना, पलक बोथरा, मनीषा बाफना, दर्शन ग्रुप, खुशबू बाफना, दिशा श्रीश्रीमाल, सोनाली दुग्गड, मास्टर माहिर तातेड सम्मलित थी। फर्स्ट राउंड ट्रेजर हेंड, सेकंड राउंड बिखरे मोती पिरोएं, थर्ड राउंड डम सिराज, फोर्थ राउंड ग्रुप एक्ट का था। सभी ग्रुप को दो-दो बार अवसर दिया गया। ऑडियंस के लिए भी इनाम जीतने का सुंदर मौका था। सभी प्रतिभागियों ने बहुत अच्छा प्रयास किया। तेरापंथ परिवार से भारतीलोढ़ा, प्रेक्ष लोढ़ा, दीक्षा तातेड़, मौली भंडारी,कल्पना तातेड़, सीमा सालेचा, संगीता बैद, रचना बैद,भारती बैद, गुणमाला कागोत, रेखा कागोत, अनु कागोत, अर्चना तातेड़, पिंकी लुंक्कड़, मंजू जैन, शिल्पी जैन, प्रियल सालेचा और चाहत भंडारी, सुमित लोढ़ा, शुभम तातेड़, एकांश तातेड़ एवं सुमित बैद उपस्थित थे।

- ओसवाल जैन श्वेताम्बर समाज के तत्वावधान में तेरापंथ परिवार का खोजो,खेलो और जीतो प्रतियोगिता

कार्यक्रम का संचालन भारती लोढ़ा व सुमित लोढ़ा ने किया। प्रतियोगिता में मुस्कान बाफना को प्रथम, कु छाया टाटिया को द्वितीय और डॉ मृदुला सांखला को तृतीय स्थान मिला। बच्चों में केसर बाफना को प्रथम, माही तातेड को द्वितीय और कुणाल कागोत व ईशा जैन को तृतीय स्थान मिला। कार्यक्रम निर्णायक की भूमिका में मंजू लुक्कड़ एवं रुचि नाहटा थे।

online Booking:-www.tripuryatra.com

सुविधा ज्यादा सबसे कम राशि पर

स्लीपर मात्र 20,500/-

By Train-रिजर्वेशन कोच (14 दिन)

27 अप्रैल, 03 मई, 12 मई,16 मई, 23 मई, 02 जून, 15 जून 2025

चार धाम यात्रा

श्री केदार नाथ, श्री बद्रीनाथ, श्री गंगोत्री, श्री यमुनोत्री, श्री हरिद्वार, श्री ऋषिकेश

चार धाम यात्रा के इंडिविजुअल (व्यक्तिगत) पैकेज के लिए संपर्क करें।

राशिः-स्लीपर-20,500/-, 3 एसी- 27,500/-, 2 एसी- 32,500/- (+5%GST)

Since-2007

श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति

RAIPUR- D-36, Sector-4, Kamal Vihar, KORBA- Shop No. 301,302,303 S.S. Plaza, Power House Road

संपर्क करेंः-7354-411411